

जाति की एक संकर रागिनी स्त्री. (तत्.) 1. वह जो धारण करे जिस पर या जिसमें कोई वस्तु रखी जाये (स्टैंड) जैसे- शूकधानी 2. अधिष्ठान, स्थान उदा. राजधानी 3. पीलू का वृक्ष 4. धनियाँ (देश.) 1. धान्य स्त्री 2. भुना हुआ गेहूँ या जौ उदा. गुड़धानी।

धानुक पुं. (तत्.) 1. धनुर्धर, धनुर्धारी, धनुष चलाने वाला, कमनैत 2. एक सेवक जाति 3. धानुक जाति के लोग।

धानुर्दंडिक पुं. (तत्.) दे. धानुष्क।

धानुष्क पुं. (तत्.) तीरंदाज, धनुर्धर, कमनैत।

धानुष्का स्त्री. (तत्.) अपामार्ग, चिचड़ा।

धानुष्य पुं. (तत्.) बाँस जिससे धनुष बनाए जाते हैं।

धानेय, धानेयक पुं. (तत्.) धनिया।

धान्य पुं. (तत्.) 1. अनाज, अन्न प्रबो. गंगा-तट पर बसे होने के कारण उस गाँव में धन-धान्य की कमी न थी 2. धान, छिलका समेत चावल 3. धनिया 4. चार तिलों के बराबर एक परिमाण या तौल 5. नागर मोथे का एक प्रकार 6. एक प्रकार का प्राचीन अस्त्र।

धान्यक पुं. (तत्.) 1. धनियाँ 2. धान।

धान्यकल्क पुं. (तत्.) अन्न के दाने का छिलका।

धान्यकूट पुं. (तत्.) अन्न रखने का स्थान, बखार।

धान्यकोश पुं. (तत्.) बखार, कोठर।

धान्यकोष्ठक पुं. (तत्.) दे. धान्यकोष्ठक।

धान्यकोष्ठक पुं. (तत्.) अनाज रखने का बड़ा बरतन या कमरा, कोठिला, गोला।

धान्यक्षेत्र पुं. (तत्.) धान का खेत, धान पैदा होने का इलाका।

धान्यचमस पुं. (तत्.) चूड़ा, चिड़वा, चिपिटक।

धान्यचारी पुं. (तत्.) पक्षी, चिड़िया।

धान्यजीवी वि. (तत्.) पक्षी, अनाज खाकर जीवन निर्वाह करने वाला।

धान्यतुषोद पुं. (तत्.) काँजी, माँड़, घोल।

धान्यत्वक् पुं. (तत्.) अनाज अथवा धान का छिलका।

धान्यधेनु स्त्री. (तत्.) अन्न की ढेरी जिसे हिंदू गौ मानकर दान करते हैं यह दान सुख, सौभाग्य एवं पुण्य प्राप्ति के लिए विषुव संक्रांति अथवा कार्तिक मास में किया जाता है।

धान्यपंचक पुं. (तत्.) 1. शालि, ब्रीहि, शूक, शिंबी तथा क्षुद्र ये पाँच प्रकार के धान 2. पाचक जल जो पाँचों प्रकार के धान, आम, बेल, नागरमोथा को एक साथ उबाल कर तैयार किया जाता है और जिसे अतिसार में पिलाया जाता है 3. एक पाचक औषध जिसे धनिया, सोंठ, बेलगिरी, नागर मोथा व त्रायमाण को मिलाकर बनाया जाता है, इसका व्यवहार उदरशूल, आमातिसार आदि रोगों में किया जाता है।

धान्यपति पुं. (तत्.) 1. चावल 2. जौ।

धान्यपानक पुं. (तत्.) धनिए का पन्ना, धनिए का पत्ता।

धान्यबीज पुं. (तत्.) 1. धनिए के बीज 2. धान का बीज।

धान्यभोग पुं. (तत्.) उपजाऊ भूमि या जागीर।

धान्यमाय पुं. (तत्.) 1. अनाज का व्यापारी 2. अन्न तौलने वाला।

धान्यमाष पुं. (तत्.) दो धान के बराबर एक प्राचीन परिमाण, अन्न मापने का एक प्राचीन परिमाण।

धान्यमुख पुं. (तत्.) चीरफाड़ का प्राचीन उपकरण (सुश्रुत)।

धान्यमूल पुं. (तत्.) काँजी, माँड़, घोल।

धान्ययूष पुं. (तत्.) काँजी।

धान्ययोनि पुं. (तत्.) काँजी।

धान्यराज पुं. (तत्.) जौ।

धान्यवनि स्त्री. (तत्.) अन्न का ढेर।

धान्यवर्ग पुं. (तत्.) दे. धान्य पंचक।